

(खण्ड-अ)

नोट- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

प्रश्न-1 दिए गए विषयों पर 200 शब्दों में लेख लिखिए-

क. निम्नलिखित विषयों में से में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

1. विज्ञान क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम

2 जल बचाए, कल बचाएं

ख. विद्यार्थी जीवन पर आधारित किसी एक कहानी को लिखिए ।

ग. दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर अपने शब्दों में उसका वर्णन कीजिए।



प्रश्न-2 निम्नलिखित विषय में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में पत्र लिखिए-

1. विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए दूरदर्शन के केंद्र निदेशक को पत्र ।

2. अपने मित्र को नव वर्ष पर शुभकामना पत्र लिखिए।

प्रश्न- 3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मेरी माँ कहती है कि जिस तरफ दुनिया चल रही है हमें भी उसी तरफ चलना चाहिए। उन्होंने कभी स्वतंत्रता पर अंकुश नहीं लगाया बल्कि खुद को मेरे अनुरूप बदला है। एक रूढ़िवादी परिवार से ऊँचा उठकर उन्होंने सोचा, जिया और हमें जीना सिखाया। मुझे यह कहते हुए जरा भी संकोच नहीं होता है कि मेरे माता-पिता मुझसे कहीं ज्यादा आधुनिक विचारधारा वाले व्यक्ति हैं और मुझे उन पर गर्व है। मुझे लगता है कि अपने बच्चों के लिए हर माँ सबसे ज्यादा साहसी और निर्भीक होती है। यह सबसे ज्यादा तरक्की पसंद होती है। वह नए जमाने की माँ हो या पुराने जमाने की अपने बच्चों की वह तमाम बंधनों से मुक्त करना चाहती है और उन्हें आजाद परिंदों की तरह खुला आसमान देना चाहती है। माँ अपनी फितरत से ही तरक्की पसंद होती है, क्योंकि मैं बच्चों के साथ-साथ दोबारा विकसित होती हूँ। वह बच्चे को पालने और उसे विकसित करने की उनकी मूल प्रवृत्ति है जो उन्हें अपनी आदतों और अपने मूल्यों को नए सिरे से गढ़ने के लिए प्रेरित करती है। आपने शायद गोर्की का उपन्यास माँ पढ़ा हो। वह माँ अनपढ़ है लेकिन इसके बावजूद वह समझ पाती है कि उसका बेटा क्या कर रहा है और क्यों कर रहा है। गौरा ख्याल है कि माँ को नए या पुराने मॉडल में रखकर नहीं देखा जा सकता। हो औरत की अपनी निजी शसियत हो को देखा जा सकता है

क अपनी माँ के विषय में लेखक ने क्या कहा है?

ख अपने बच्चों के लिए माँ कैसी होती?

ग. बच्चों के जीवन के साथ माँ के जीवन में क्या परिवर्तन आता है?

घ. माँ किसे खुला आसमान देना चाहती है?

ङ. क्या एक अनपढ़ माँ अपने बच्चों को नहीं समझ पाती?

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

क. उल्लू शब्द किस प्रकार का शब्द है?

1. नित्य स्त्रीलिंग शब्द
2. नित्य पुल्लिंग शब्द
3. विलोम शब्द
4. क्रिया शब्द

ख. निम्नलिखित में दीर्घ साँप का कौन सा विकल्प सही है?

1. परीक्षा + आर्थी = परीक्षार्थी
2. रवि + ईस = रविश
3. गज + आनन = गजानन
4. भू + ऊर्जा + भूर्जा

ग. कौन-सा विलोम शब्द नहीं है?

1. आस्तिक नास्तिकः
2. सत्य-असत्य
3. पसंद-नापसंद
4. गला-अगला

घ. आरंभ का पर्यायवाची होणार

1. इति
2. श्रीगणेश
3. इत्यादि
4. पाती

ङ. किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का बोध कराने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?

1. भाववाचक संज्ञा
2. द्रव्यवाचक संज्ञा
3. जातिवाचक संज्ञा
4. व्यक्तिवाचक संज्ञा

च. निम्न में से कौन-सा शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम को बताता है?

1. वह

2. आप
3. किसका
4. खुद

छ. विशेषण की तुलनात्मक अवस्थाएँ कितनी होती हैं?

1. चार
2. पाँच
3. तीन
4. दो

ज. वचन कितने प्रकार के होते हैं?

1. आठ
2. एक.
3. चार
4. दो

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

- क. विकारी और अविकारी शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
- ख. लिंग किसे कहते हैं? इसके भेदों को परिभाषा सहित समझाइए।
- घ. उपसर्ग एवं प्रत्यय को परिभाषा सहित समझाइए।

(खण्ड-ब)

प्रश्न - 6 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। विज्ञान शब्द 'शान' शब्द में उपसर्ग वि लगाकर बनाया गया है। ज्ञान का मतलब है मैं सूचनाएँ या जानकारीयाँ जो हमारे पास हैं। अगर किसी व्यक्ति के बारे में हम कहें कि उसे भारत के बारे में अच्छा तो इसका अर्थ है कि वह जानता है कि यहाँ कौन-कौन सी नदियाँ हैं कौन-कौन से प्रदेश हैं आदि। उपसर्ग अच्छा मान 'वि' का अर्थ है

विशेष प्रकार का तो विज्ञान से हमारा तात्पर्य है वह विशेष प्रकार का ज्ञान जो संसार के बारे से हमारे पास है। ज्ञान विशेष प्रकार का ज्ञान कब और कैसे बनता है ? हमारा ज्ञान हमारे चिंतन और हमारी सोच के आधार पर बनता है। यह सोच सही ढंग की हो तभी वैज्ञानिक सोच कहलाएगी।

क. विज्ञान शब्द कैसे बनाया गया है?

ख विज्ञान से हमारा क्या तात्पर्य है?

ग. हमारा ज्ञान कैसे बनता है?

घ. वि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

3. कोई व्यक्ति जानी कैसे कहलाएगा?

प्रश्न- 7 अपठित पद्यमाश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं देखा माता का ऐसा रक्तिम श्रृंगार नहीं। कंठ कंठ में गान उमड़ते माँ के वदन के कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के अर्धन का शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ पर अर्पण के प्राण-प्राण में भाव उमड़ते शोणित तर्पण के । जीवन की धारा में देखी ऐसी धार नहीं। सत्य अहिंसा का व्रत अपना कोई पाप नहीं। विश्व में मंत्री का व्रत भी कोई अभिशाप नहीं। यही सत्य है सदा असत्य की टिकती पाप नहीं सावधान हिंसका प्रतिहिंसा की कोई माथ नहीं। कोई भी प्रस्ताव पराजय का स्वीकार नहीं ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

क. उपरोक्त पद्याश में किसके आदेश का उल्लेख हुआ है?

ख. कवि के मतानुसार सत्य क्या है?

ग. पद्याश में माता का प्रतीक कौन है?

घ. कंठ-कंठ में क्या उमड़ते हैं?

ड. क्या अभिशाप नहीं है?

प्रश्न- 8 सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

क. आविष्कार का अर्थ होता है।

ख. लेखिका के घर लाई गई दूसरी मोरनी का नाम ।

ग. दूसरा आकर्षण था. मामा जी की था ।

घ. लेखक.....में अकेले बैठने चला जाता था।

ड. 'नर हो न निराश करो मन को' कविता के कवि का नाम.....है।

प्रश्न- 9 सही व गलत का निशान लगाइए-

क. पहले सवारी रेलगाड़ी 1820 में भारत में बनाई गई।

ख. लेखिका की गहन अपराध भावना ने दिन भर क्षुब्ध रखा।

ग. भूत को भगाने के लिए लोग मनोचिकित्सक के पास जाते हैं।

घ. गोलू ने लेखक के दोस्त के घर किसी चीज की फरमाइश नहीं की।

ड. नीलकंठ एक मोर का नाम था।

प्रश्न-10 लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (कोई-5)

क. सुयोग, गुजित, निराशा शब्दों का प्रयोग करके एक-एक वाक्य बनाइए?

ख. कवि ने निराश न होने का संदेश क्यों दिया है?

ग. वह हर सप्ताह नानी के घर क्यों जाता था?

घ. कुछ लोग भूत प्रेत भगाने का काम क्यों करते हैं?

ड. हमिद भाई और लेखिका में भाई बहन का संबंध कब से कहाँ से था?

च. यह पत्र किसने और कहाँ से लिखा है?

प्रश्न- 11 दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. निम्नलिखित पक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए.

1. धीरज धर्म, मित्र अरु नारी। आपत काल परखिए चारी ॥

2. मयूर कलाप्रिया वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं।

ख. नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे की सर्प से कैसे रक्षा की? उससे नीलकंठ की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

ग. अपने रईस दोस्त के घर ले जाने से पहले लेखक ने गोलू को क्या समझाया ?